PG/IIIS/HIN/303/24

# M.A. 3rd Semester Examination, 2024

## HINDI

( *Hindi Kathetar Sahitya* )
( *हिन्दी कथेतर साहित्य* )

PAPER – HIN-303

*Full Marks* : 50

*Time* : 2 hours

Answer **all** questions

*The figures in the right hand margin indicate marks*

*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $10 \times 2$

   (क) 'कविता क्या है ?' निबन्ध के आधार पर आचार्य शुक्ल की काव्य सम्बन्धी मान्यताओं पर विचार कीजिए। शुक्ल के अन्य दो निबन्धों के नाम लिखिए।

(*ख*) 'एक कहानी यह भी' में चित्रित स्त्री के विविध आयामों पर प्रकाश डालिए। इनके किन्ही दो उपन्यासों के नाम बताइए।

(*ग*) 'पथ के साथी' में अभिव्यक्त महादेवी के भावनात्मक-पक्ष की समीक्षा कीजिए। पठित पाठ के अतिरिक्त इस पुस्तक में संकलित दो अन्य पाठों के नाम लिखिए।

(*घ*) 'भोलाराम का जीव' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। इसके अतिरिक्त परसाई के दो व्यंग्य संग्रहो के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* का यथा निर्देश उत्तर दीजिए : $5 \times 4$

(*क*) भारतेन्दु की निबन्ध कला पर टिप्पणी कीजिए।

(*ख*) "मैं देखता हूँ-भूखे बिलबिला रहे हैं। मजदूरी पूरी नहीं मिलती। मिलती है तो दाना नहीं मिलता। मिलता है तो महंगा मिलता है। महंगा मिनता है, तो उसमें न जाने क्या-क्या कचरा मिला रहता है।" -इस गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।



(*Continued*)

(ग) "जनता समूह है–वह अज्ञ है, अंधकाग्रस्त है, वह जल्दी ही भीड़ बन जाती है । उसका साथ मत दो । तुम सचेत व्यक्तित्वशाली प्राण केन्द्र हो । उसमें अपने–आपको विलीन मत करो ।" इसका भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) पठित अंश के आधार पर मन्नू भण्डारी की भाषा–शैली पर विचार कीजिए ।

(ङ) 'ल्हासा को' में वर्णित राहुल की वर्णन शैली पर टिप्पणी लिखिए ।

(च) "उस युग में कविता–रचना अपराधों की सूची में थी । कोई तुक जोड़ता है, यह सुनकर ही सुनाने वालों के मुख की रेखाएं इस प्रकार वक्र–कुंचित हो जाती थीं मानो उन्हें कोई कटु–तिक्त पेय पीना पड़ा हो ।" ससदंर्भ व्याख्या कीजिए ।

**[ Internal Assessment — 10 Marks ]**